वी. यू. की हाइटेक सेन्ट्रल लैब एनीमल हाउस का लोकार्पण

जबलपुर। दिनांक 15.01.2018 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के अधीन पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में हाइटेक सेन्ट्रल लैब एनीमल हाउस का उद्घाटन म.प्र. शासन के माननीय वित्त मंत्री श्री तरूण भनोत के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री अशोक रोहाणी, केन्ट विधायक ने अध्यक्षता की। श्री भनोत ने कहा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय बनाने में सहयोग करेंगे तथा शोध कार्यों में सरकार भरपूर आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने माइक्रोचिप से एनीमल आइडेन्टीफिकेशन तथा मोबाईल एप्प से वेक्सीन में शोध को बढावा देने की बात की। माननीय कुलपति डॉ. जुयाल के डेयरी साइंस तथा फूड टेक्नोलॉजी कॉलेज, जबलपुर में खोलने पर श्री भनोत ने कहा सरकार जबलपुर में डेयरी साइंस कॉलेज खोलने के प्रस्ताव पर सहमत है और आवश्यक राशि रु. 8.67 करोड़ प्रथम फेस में तुरन्त उपलब्ध कराने की बात कही तथा पंचगव्य केन्द्र विश्वविद्यालय में खोलने पर प्रस्ताव सरकार को भेजने के लिए कहा। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गए सभी प्रस्ताव व बजट को इस वित्तीय वर्ष में शामिल किया जायेगा तथा राषि उपलब्ध करायी जायेगी। उन्होनें कहा कि यह अपने तरह की प्रदेश में पहली हाईटेक लेबोलेट्री है जो रिसर्च को बहुत आगे तक ले जाएगी। इससे सभी संस्थानों को लाभ होगा तथा विश्वविद्यालय में चल रहे शोध कार्यो पर संतोष जताया।

वेक्सीन तथा दवाओं के प्रभाव पर होगी ट्रायलः– विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. जुयाल ने बताया कि मनुष्यों की भांति पशुओं में नई नई बीमारियॉ पैदा हो रही है। कुछ पुरानी बीमारियॉ भी नये स्वरूप में सामने आ रही हैं। इनकी रोकथाम हेतु अनुसंधान की आवश्यकता हैं, इस पर शोध किया जावेगा।

पशुपालकों को होगा लाभः– डॉ. जुयाल ने बताया वेक्सीन की गुणवत्ता, प्रभाव एवं दुष्प्रभाव के अध्ययन हेतु सफेद चूहे, गिनी पिग, हेमस्टर तथा खरगोश इस्तेमाल किये जायेगे। वेक्सीन पर ट्रायल होने के बाद ही इनका उपयोग पशुओं एवं मनुष्यों में किया जायेगा।

विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न बीमारियॉः– डॉ. अमिता दुबे, प्रधान अन्वेषक ने कहा कि कुछ बीमारियॉ क्षेत्रवार हो रही है। अनेक कारणों से बीमारियॉ विशिष्ट क्षेत्र में फैलती हैं। ऐसी बीमारियों के निदान एवं उपचार हेतु इस लैब से मदद मिलेगी।

2 करोड 73 लाख स्वीकृतिः– इस प्रोजेक्ट हेतु म.प्र. शासन के मंडी बोर्ड भोपाल से 273.94 करोड रूपये की स्वीकृति प्राप्त हुई थी। लेब एनीमल्स का रखरखाव सेन्ट्रल कमेटी फॉर दी परपज ऑफ कन्ट्रोल एन्ड सुपरवीजन ऑफ एक्सपेरीमेन्ट ऑन एनीमल्स (CPCSEA) के निर्देशानुसार किया जायेगा।

इस लेब का निर्मित क्षेत्र 532 वर्ग मीटर है जिसमें 12 कमरे छोटे पशुओं हेतु बनाये गये है। लेब का निर्माण फरवरी 2016 में शुरू होकर दिसंबर 2018 में पूर्ण हो चुका हैं।

सभी विश्वविद्यालयों के शोधार्थी एवं शोध संस्थान उपयोग कर सकेंगेः– इस सुविधा का उपयोग प्रदेश एवं देश के सभी शोधार्थी कर सकेंगे। अत्याधुनिक लेब में किसी भी तरह के संक्रमण की संभावना नहीं होगी। तथा रोग रहित वातावरण में प्रयोग किये जा सकेंगे।

आज के उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय सभी अधिकारी डॉ. साहनी, डॉ. परमार, डॉ. बघेल, डॉ. भट्ट, डॉ मधुस्वामी, डॉ. राव, डॉ. जैन, डॉ. भारद्वाज, डॉ. गौर डॉ. जायसी, डॉ. नायक, डॉ. दास व शिक्षक तथा छात्र उपस्थित थे।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर